

अथ त्वां पद्मजगर्भसमानं शयनमाप्तमिदं यथाहं नि ॥ ५२

॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ १३ ॥

॥ सावनकदू २६ दालि झनयागधरू ॥ हवका पुष्पन नाइ इ इ गनाग ॥

कृ कृ कृ पं ह व ऊ ण उ ऋ ऌ ऋ ऋ ॥ ५२ ॥ ह न न न व न्दि न च न व न

येनपनमरुवन॥ ७२ ॥ लावविमकूटविहास्यारुद्रकमुवा

३५। यावत् ॥ २॥ नमो गुरुहिवक्त्रा ॥ २॥ कुरुते आविधियावत् ॥ २॥

अथ

386

I

॥ १४ ॥ ॐ ॥ ॥ नागरेलविशालइकमाता ॥ गऊंजिनडईहा
धनिया. कमलकृतिडाऊंगवावा २७ मन्त्रकनगिक्थान ॥ ॐ ॥ लवामय
त्वागकन ॥ ॐ ॥ ॥ शोसम्भवायवाक्कगिहुक्काऊम्भवात्रनमानयिन
वापियायिनमायासहधुरुअनलवनलीना ॥ ॐ ॥ पाणवक्कमूलुद्धा
दडाहाथ. धनियाडननठिनमाला २ विष्णुकलिडाऊद्धवन्दइटाइ
तवाद्यवर्ममिहमूडा ॥ ॐ ॥ ॥ अलिठपणारुवाययिनव्वनका.

लिनादि दिनमूडा र नीलही मन्त्रादि गकन कामयवड मुख अग्निवी
कलात्तुन॥ क्र॥ हृदिस्वीनवीन ध्वन नायक ति निविक्रम हाविना २
करुणा र दानादि गकन कामयवड मुख अग्नि विक्ता नून॥ क्र॥
॥ १५ ॥ इति ॥ रागा गा उगी ॥ गा वमा ० ॥ मद निऊ ल अग्नि वा
यूम बुल डय हिं गधी सभन्न नाना त्त्व मय कृति गड कृग गऊ सह
धाम भन्न मा मि रणी गुर्व ऊसत्वा ॥ १ ॥ अन्न ग गुन निधि साग वा

श्रीकृष्णाय नमः

विष्णुनाथविष्णुवापितगुप्ता॥ शिखुवनसंयुक्तिगा॥ ५२ ॥ अकाशवर्ध
मुखनयनसुविष्मलवकुर्ध० धारिगा२ गिलकसद्वर्धुसुखला॥ नले
मकुटधिनकुलसुसिखिवल॥ सत्वपर्या॥ कर्मसिगा॥ वरुनद्विय
दिगजुनत्वादि॥ नलेमकुलसंयुक्ता॥ ५३ ॥ इदियमादिगमवयि
वित्वासवकु॥ श्रीगुननिनगुनधिल॥ निद्विसिद्धिवनयदागा॥ सन
जिनरुनरुवयदागा॥ ५४ ॥ १३ ॥ ५५ ॥
१ नागनामकसि॥ ठानकमाथा॥ कमलविकाशितसिगिदकासन

कमूदपागवर्धुसमदला॥ ५६ ॥ वरुनवदनकुवनयदलममनग
यकाशित॥ नमामिशी२ महासैशुधीसकनगुटपायसनगुन२
कूमतिरुनरुनमाकूपदागा॥ सच्चरुनसागना॥ ५७ ॥
यथमकनद्वयकालिगवकुर्ध० भमूदा॥ जालिगनविनाडिगा॥
द्विगीयवर्धुधनरुनीयरुनरुक्ध॥ वरुथरुक्ध॥ सर्वरुनयना॥
॥ ५८ ॥ इत्युक्तपादगुवन॥ वरुथवामधुनयसुका२
नकनमकुटधिनयकालिगा॥ कालिगकिस्त्रियधुक्धमाधुक्ध

नृविवना ॥ ॐ ॥ निद्रुद्विद्विद्विद्विनिषिष्टरुमिता सर्वरूपा
ननिषिरुवयदागा २ ॥ ३ ॥ सनदगशीलेगगापत्रमाध वड
अममनि ॥ ॐ ॥ ७ ॥ १० ॥ हवागलीता ॥ काल्यादिव्यसि
न अक्षायशिलमोलिन सिद्धिकालिजलमिलिषुवने यच्चलि
वाकलकालिगङ्गाकाल अमनागभरुनगवृक्षूत्रलू अमनरु
यरुनग ॥ सूर्ययुक्तजन मालवलेमदनपापदनेन ॥ ॐ ॥

दहिनकनगिधन युवलयनायता वनलुङ्गयनम विसृगगिगमनी ॥
वामस्वर्गागधन वृक्षकपात्रा रुवसमूह ॥ ४ ॥ वाममनुपाण ॥ ॐ ॥
धालकन्दलविल अमनगला ॥ ५ ॥ विन्दुद्वयकलालवदनी ॥ ॐ ॥
या युवमनिव्यसननननरुदमाला अलिवलियादकिसिद्धिसरु
ला ॥ ॐ ॥ गवर्कसनगवडगुनगत्वय्यायिनदृष्टरावनासन
सिसावदरुनीना ॥ ॐ ॥ वृक्षवर्मसासन सद्यपविलकृष्ट ॥ ६ ॥

शिवसूत्र॥

हाकानकवयादसुवदा॥ कुर ॥ ७७ ॥ १८ ॥ १॥ नागकुलवदू
॥ ॥ गानअकनमा० ॥ द्वि शुद्धिद्वि सरवकिनीनयनाश्मयूठकडादिग
म्वना॥ कुर ॥ तेनाकाननागाननागा॥ वामकवाठकदहिनकनतिरुहा
आरुवराविरुषीगा॥ कुर ॥ सूर्यमदुल्लमायगाधुवमूर्तिरनवसि
मानस॥ ॥ ॥ कुर ॥ सतमुद्रवराधिरगतध्रियोश्चकवावादि
आलिङ्गिगा॥ कुर ॥ ६०३ ॥ १॥ नागमालव॥ गानमा० ॥ वज्रिधाराव

नागपाना

धनवधया॥

आलिना॥ सिधिनीयाधिनीऊम्वकडलाकिनी॥ कुर ॥ नमामिष्टीया
भम्वनरुनध्वनी॥ निनिनयदवाधिमुवनयविस॥ कुर ॥ पूरवडल
नयद्धिमदद्विदिगदवी॥ अकिनीदि किनाचडसिकम्बाकिनी॥ कुर ॥
वकुनदिगकुल्लरुलनठदवी॥ निनिनिनिदवानाचयैनुदवी॥ कुर ॥
हनिहन्वक्का॥ ६०३ ॥ २० ॥ १॥ नागरेववी॥ गानवय॥ पेश्वगधगगमलियाव

स्यात्तान् विस्तृत्य न्याय २ दृष्टादिगदशावलनं रुवन्तं दानपक्रियवि
 द्युनिवात्रन्याया ॥ **ॐ** ॥ **ॐ** ॥ वानवीन ध्वन वेयिध्वन मनसमान
 विष्णुस्त्रान्याय २ नृक कानवलिदानवा दानपक्रिय २ रुजवगानत्र
 या ॥ **ॐ** ॥ पर्ववेनावनदक्षिनवत्तसकृत् पक्षिमज्जमिगारुष्यापि
 यात्र २ रुजवज्ज माघसिद्धि मायं ज्जुत्तये चानिमानवडवापियात्र
 ॥ **ॐ** ॥ समाधिशीतमन्त्रमायं कालं क रुवज्जकायविष्णुस्त्रान्याय २

नानावाधिसत्त्वज्जुशीर्वाद दानपक्रियविद्युनिवात्रन्याया ॥ **ॐ** ॥
 सिरुनादवाजियात्र दमन्त्रवाज्ज ज्जुय्यागिनीमन्त्री दिष्टियात्र २
 जालिध्वनीयगाकर्तव्यागभवयीयात्वा निव्युत्थापियात्र ॥ **ॐ** ॥
 ॥ **ॐ** ॥ २१ ॥ रागकङ्कन ॥ गानइजमान ॥ अकिध्वानवदन
 ज्जुलीनीगमन्त्रकि २ रुजज्जगहनराहमिगदहा ॥ **ॐ** ॥ तेनागाकनागा २
 नमामिशीखपुमरुकाला ॥ **ॐ** ॥ दहिनकनगिखपुमरुिष्टला २
 खपनमूहुमालव्याधुवमरुमिगा ॥ **ॐ** ॥ सकलमानवलदय

मरुकात्रया ॥

निरुक्ताः सवननवन्दिगरुवरुयहवत्स॥ ५२ ॥ अद्विसिद्धिवलदा
 यकदवारिगुवनवीनाडीमहाकावडावत्स॥ ५३ ॥ ६०३ ॥
 ॥ २२ ॥ ॥ नागमानव॥ गाल॥ महुलसमयचक्रमहुलसंभुर्गु
 द्वादशुजवडवानुवयन॥ जानकुकरडीसम्भनयागीनी२गीयाव
 कुनादवीगानुलीया॥ - ॥ दाकिनीनामाखलुवाहानुपिनी२वानि
 मानवडवानुवयन॥ ५४ ॥ कायवाक्किरुणिनिगुवन२दानपति
 यागुरुज्वगानुनया॥ ५५ ॥ यागयागिनीमनीसमनसराव

अयुग्ममानडीरुनव॥ ६०३ ॥ २३ ॥ ॥ नागववाडि॥ गानमा० ॥
 वामेषपनधनदहिनकलर्गि२ पायननायनमहुमालरुपिना॥ ५६ ॥
 नावयिनकऊडीवऊयागिनी२निनिनगुदवीगुवनयिस॥ ५७ ॥
 कलसस्वनदवीनिनऊनदवी२गुन्यपाउदवीगुन्यसीराव॥ ५८ ॥
 कालमृगइयिपडानवन्धिया२नागधषमाहाकरनिनकुद॥ ५९ ॥
 दृष्टिसिखनगानगिननिदवी२माकृमागदवीगुक्रपयिगवत्स॥ ६० ॥
 ॥ ६०३ ॥ २४ ॥ ॥ गानश्रीगमा० ॥ दलकमलवनकुसुमसयन

मधुकनरुन्वनी ॥ २ ॥ शीवित्रया कनखगमखदवी मखनपावसखा
 पिगा ॥ ५ ॥ नमामिनेनात्माहिउवनमागा वक्तुनादवीशी मग
 रुनि २ सयनसुनवदिनवनने अनगमाद्विहिद्विलयदागा ॥ ५ ॥
 नन्दनवनमिचयत्यनगनूव अनगकसुमयालिआगवन २ नित्य
 ममसमवागमतिगीन अनगकीथसेनिर्मला ॥ ५ ॥ अखर
 नव अखयागीनीदवी अनगदवासेनरुणरुणपाल २ अखम
 रुयइनिगतिवासी अनगविग्रनिवासी ॥ ५ ॥ विष्टव्या

श्रीकृष्ण

पिगा ॥ १ ॥ दवी अखयनिनअनआमिमय २ अहिमनसखरुल
 दायनी कुलमऊनमहुसुनवमगत ॥ ५ ॥ २१ ॥ २०३ ॥
 त्वागनाठ ॥ गानइऊमान ॥ वानिचवरावापयिवडमाना २ अर्थवय
 नमुखनिनयन ॥ नावयिरुन्वनेनात्मादवीसहिगा २ अखयागीनी
 नेयाकनमाग ॥ ५ ॥ ॥ दधुवलगाषाठशरुऊरुलन २ आद्यवन
 मधयपिगलकं ॥ ५ ॥ ॥ वकीकूलकणिवावकमधना २ विह
 ति विवावन ॥ ५ ॥ ॥ आलकगा ॥ ५ ॥ ॥ गठयनमनसरुऊअनन्य

नरुं ऊरुमकुट्यालिन शीवऊसखसत्वालेकृगमोलिनेसमया
गिर्वैराव्य॥ ७ ॥ डंडरुहिमहारुत पिबिऊसकमगृहीताकृतिम
हानसिंसनिहितारुवखाहा॥ वूंथननरुपि०नेरुनानि मावाकृ
ककिऊरुं ऊरुगकिनाऊमूडा॥ निवाऊनयाय॥ ॥ डंडरुय
आदीयादीयविषाविषमहा॥ शयरुव्यकवावाहनायड॥ ३॥ देवैरा
समयहंहा॥ ॥ वृहालेखनहाय॥ डंडरुययवलसकावायय

यावमनेयगाहृखाहा॥ ॥ शीखलेखनहाय॥ डंडरुंऊरुंजीखंडू॥
पैवगयनहाय॥ डंडरुऊरुऊऊरु॥ पैवामगनहाय॥ ॥ पैवायहान
यूआलाय्ययधुवादनमुनियुय्यदि॥ ॥ धनरुय॥ आपन॥
डंडरुशीवऊसखऊरु॥ ॥ डंडरुःखाहा॥ समद्वि॥ धन॥ डंडरु॥
खाहा॥ वृहि॥ धन॥ स्वस्वमलुन॥ ऊऊमानकस्ववक॥ यनिर्विव
समाधमा॥ आच्छाष्टुद्धाहृधविला॥ अग्रहिअनरुहिलायाव रुडक

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ समूहं वा ॥ ॥ गंगा इति मुखं नैका नार यव रुतयु मावी शुक्लवर्ज
विलास्य ॥ ॐ अग्नय स्वाहा ॥ घृण ॥ ॐ अयनि रुतयु स्वाहा ॥ ॥
कृष्ण ॥ ॐ अर्क काय स्वाहा ॥ अर्क सि ॥ ॐ वज्र सामाय स्वाहा ॥ यत्ना
रु सि ॥ ॥ ॐ वज्र गमनाय स्वाहा ॥ खय न सि ॥ ॐ वज्र वृद्धाय स्वाहा ॥
अयामाग्न सि ॥ ॐ वज्र कूवनाय स्वाहा ॥ वृत्ति सि ॥ ॐ वज्र यज्ञाय स्वा
हा ॥ ईवील सि ॥ ॐ वज्र धानी ध्वनाय स्वाहा ॥ समीकं थ सि ॥ ॐ वा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धिवृक्काय स्वाहा ॥ वृत्ति गग सि ॥ ॐ वज्र लकाय स्वाहा ॥ पिलाय सि ॥
ॐ वज्र वीक्षाय स्वाहा ॥ वृत्ता ग नू सि ॥ ॐ मधु न स्वाहा ॥ मधु न सि ॥ ॐ
अध्व काय स्वाहा ॥ अखय सि ॥ ॐ सर्व पाप समनाय स्वाहा ॥ वैकं थ सि
॥ ॐ वज्र सरु कानाय स्वाहा ॥ अय सि ॥ ॐ सर्व दुःख पाप समनाय स्वाहा
॥ कंद व न सि ॥ ॐ सर्व दुःख समाय काना स्वाहा ॥ गह्व न सि ॥ ॥
ॐ अय नि रुतयु स्वाहा ॥ कृष्ण ॥ ॐ वज्र पूर्य स्वाहा ॥ दारु ल

ॐ ह्रस्वपायदहनवजाय स्वाहा ॥ ह्रामल ॥
 ॐ वजाय गय स्वाहा ॥ अरुंग ॥ ॐ वज्रवग्मयाय स्वाहा ॥ गच्छा ॥
 ॐ वज्रघस्मयाय स्वाहा ॥ माथच्छा ॥ ॐ वीजारुवाय स्वाहा ॥ म्वानवा ॥
 ॐ विजारुवाय स्वाहा ॥ यूवा ॥ ॐ वज्रनहावलाय स्वाहा ॥ मास ॥ ॐ म
 हाकायाय स्वाहा ॥ म्वाग ॥ ॐ वज्रकलालव स्वाहा ॥ कलमुनि ॥
 ॐ वज्रकुमायाय स्वाहा ॥ कालथ ॥ ॐ वज्रमृगयाय स्वाहा ॥ मृग ॥

ॐ स्वस्ति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ वज्रलाजाय स्वाहा ॥ ग
य ॥ ॐ सद्वायसिद्ध स्वाहा ॥ नकायका ॥ ॐ सर्वसिद्धसाय स्वाहा ॥ दा
कायनिजा ॥ ॥ ॐ वज्रवियर्लमाय स्वाहा ॥ पियर्गु कूसम ॥ ॥
ॐ श्रीवज्रादधिरुत्माय स्वाहा ॥ कालस्य ॥ अनघांगित्वनहान
व्या ॥ ॐ श्रीकृष्ण स्वाहा ॥ धनश्रुतिमानविय ॥ ॐ वज्रसत्त्वश्री
द्याटय ॥ ॐ धनयकृष्ण वज्रसत्त्वश्री ॥ ॥ पद्मायहानयूजा

॥ इति ॥ पञ्चमः ॥

॥ इति ॥ मन्त्रः ॥ ॥ धनस्त्वस्ति वा कन आद्रुगि विद्या ॥ इति ॥ अथ य
आदीपविषाविषयहा (हाय) ह्यकव्यवाहनायदानपनेऊऊमा
नस्यमन्त्रिकुरुस्वाहा ॥ ॥ पंचायहानयूजा ॥ ॥ ॐ निसुथमा
द्रुति ॥ ॥ धनहानाद्रुगिस्त्वस्ति खलेखनहाय ॥ इति ॥ वऊनद्रुद्रु ॥ ॥
गगावद्रुनाचमनादिकंकृत्वा लाकारुनेहानाग्निविहाय काला
काला ग्रीयद्रुदिकं मलवन्दासनापनिमलुलाधियुगिवाऊनिव्य

त्र विद्रुविऊयनिगमन मलुलाधियुगिसमालुलयविहाय ॥
हानसस्त्ववऊंकृष्णादि आद्रुखापवध्य वक्ष्य सकाष्यदोलनी
लेमिवसमयसत्यन सहस्रीकृत्वा ॥ पाद्याचमनादिकंकृत्वा ॥
पृथन्यास ॥ पंचायहानयूजा नास्याध्वसुवादनद्रुति ॥ ० ॥
गगाग्निजिह्वायाद्रु कानेदाष्टुद्रुवऊं विहाय ॥ गत्सर्वहव्यादिकं
मूलमलुदाशद्रुया ॥ ॥ सिनकागन्य जायनवृदिदाय । स्वस्ति

किन्नाथिय ॥ पैवापहानयूजा ॥ ॥ ॐ गिरुनाइति
लुकुलासर्वसत्त्ववसकलि ॐ देवलिष्ट ॥ २ ॥ यष्यययदि
प पैवाकुकै ददाम्यहं सर्वदेवनागउरु गंधर्वा स्वगगनउ कित्तल
महालग्नादि ऊथेवयथेष्टुमुऊथ पित्तथजिगथ ममसर्ववसिधि
यय ॐ आ ॥ हं रुसाहा ॥ ॐ निकाधवल्लि ॥ रुना ॥ ॐ ॐ ॐ
थनमात्माइतिरुना ॥ आगमनियूजायाय ॥ ॥ ॐ ॐ ॐ

सिन्धुयूजानि ॥ थनदिगवल्लि कारवल्लिविय ॥ थनपैवधनाइ
ययनि थायनयाय स्वगिकसस्वानि ॥ ॐ खलेखनहाय ॥ जायम
ननकुवक ॥ सिन्धुभाहनि ककायाव आगनगस्य कमाकलुन
गुनूपरुगिनतिवक ॥ पैवधनाइयाय ॥ जायननादाय ॥ जाय
कवालनाव नग्वगवागस्य आइतिविय ॥ पैवापहानयूजा ॥ ॥
थनआकृवल्लिक निहायनवाधनेक ॥ ॐ ययनिष्ठायाय ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

धनं हविलिविय ॥ धनयूषां ॥ सिनकागयाब हामा निहययक
यूनयाकरीयगिच्छाह ॥ धीखल्लेखनहाय ॥ ॐ नमो भगवते
रुल्लेखह ॥ ॐ जम्बिन ॥ ॐ गगनविलाकिगह ॥ ॐ गगनाज
यदानपकडउमानस्ययुक्कुरखाह ॥ वित्थाहलनलीकपाल ॥
ॐ वसेकनायखाह ॥ कुरम ॥ ॐ नत्ताकालायखाह ॥
सगयूषा ॥ ॐ वडवियखाह ॥ समग ॥ ॐ सच्चैसकलिय

हा ॥ नागकठन ॥ ॐ वडमदहखाह ॥ ॐ प्रकठा ॥ ॐ हनरह
रुहखाह ॥ सिध्नाह ॥ ॐ कुरसर्वकार्यसिद्धिखाह ॥ कमुलि
ॐ सच्चैथपदयखाह ॥ कुरम ॥ ॐ मदमदसर्वव्यानायखाह ॥
कयूर ॥ ॐ वसिरुवसिकुरखाह ॥ नकवन्दन ॥ ॐ ज्ज ॥ ॐ
खाह ॥ ॐ ॐ ॥ ॐ मनयसर्वजालयखाह ॥ गुं गुं नी ॥ ॐ सर्वसम्य
गयहखाह ॥ ॐ गुनिशि ॥ ॐ कनिधसर्वसिद्धिकुरहखाह ॥

कादहामल ॥ उं अय अय हूं स्वाहा ॥ सीखलु ॥ उं हल नय दसाय स्वा
हा ॥ हेमलव कन ॥ उं सर्ववनापदसाय स्वाहा ॥ नसाकव कन ॥ उं
वजाय यय स्वाहा ॥ इव कुरुल ॥ उं सर्वलोमं य समनां य स्वाहा ॥
वाद्यदका ॥ ॥ उं सर्वपकनन स्वाहा ॥ पक्कवान ॥ उं आ ॥ वजा
मृत्वाय स्वाहा ॥ ग्वय मे ग्वाल ॥ उं सय यय सकूल वल कलनीय
युधि कर स्वाहा ॥ यद्र उरुल ॥ उं वजावासस स्वाहा ॥ ऊऊम ॥ ॥

16

उं धर्म धर्म नाऊदर ॥ सर्वविघ्नान्प्रणामि कुरु स्वाहा ॥ वन्दन गुदि ॥
उं वजाय य हूं स्वाहा ॥ धूनि ॥ उं आ ॥ वजा लोकि को स्वाहा ॥ हिया यिना
ऊऊकैय सुसकहन ॥ गव्वा हामल आऊ ॥ ३३ ॥ मूलमनुम ध
लदान ॥ हाय ॥ गप्यन ॥ स्वकीवा कन आऊनि ॥ अग्नय आदिया
दिपा विषा विषमहा ॥ हाय रुय कय वाहनाय ॥ अमूक स्य पून य २
पूष्मि रुनि ॥ सर्वप्रणामि कुरु ययि कुरु हूं रुद स्वाहा ॥ पूष्मि विगावि